B.A. Part - I (Hons)
Paper - I
Unit - I

Topic - Questionnaire Method

## प्रश्नावली विधि

प्रश्नावली विधि मनोविज्ञान में आँकड़े संग्रह करने एवं शोध समस्याओं का अध्ययन करने का काफी प्रचलित एवं लोकप्रिय साधन है।

प्रश्नावली एक ऐसे प्रश्नों की माला होती है जिसमें शोध समस्या से सम्बन्धित कई प्रश्न दिए होते हैं तथा जिसे ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रत्यर्थी उनका उत्तर अपने अनुभव के आधार पर देता है और पुनः उसे शोधकर्त्ता को लौटा देता है। प्रायः प्रश्नों को एक पुस्तिका के रूप में छपवा दिया जाता है जिसे प्रश्नावली पुस्तिका कहा जाता है। गुडे तथा हाट ने प्रश्नावली को परिभाषित करते हुए कहा है, "सामान्यतः प्रश्नावली से तात्पर्य एक ऐसे साधन से होता है जिसमें एक फार्म के सहारे प्रश्नों के उत्तर दिये जाते हैं तथा जिसे प्रत्यर्थी स्वयं भरते हैं।"

इस तरह की परिभाषा अन्य शोध वैज्ञानिकों द्वारा भी दी गई है। इस परिभाषा का विश्लेषण करने पर हम निम्नांकित निष्कर्ष पर पहुँचते हैं—

(i) प्रश्नावली में प्रश्नों की कड़ी या माला होती है। दूसरे शब्दों में, जब किसी शोध समस्या के चर को मापने के लिए उस चर से संबंधित कई प्रश्न एक साथ तैयार कर लिए जाते हैं, तो इन प्रश्नों की कड़ी को प्रश्नावली कहा जाता है। उदाहरणार्थ, यदि प्रमुख जैसे व्यक्तित्व शीलगुण की माप करने के ख्याल से प्रमुख से संबंधित कुछ प्रश्नों की माला तैयार कर ली जाय, तो इसे हम प्रश्नावली की संज्ञा देंगे।

(ii) प्रश्नावली को एक फार्म के रूप में तैयार किया जाता है जिसमें प्रश्न, उसके उत्तर एवं उसके उत्तर के लिए जगह, प्रत्यर्थी का नाम, पता, योग्यता आदि लिखने के लिए भी पर्याप्त स्थान होता है।

(iii) प्रश्नावली की एक विशेषता यह भी है कि इसे प्रत्यर्थी स्वयं पढ़ता है तथा पुस्तिका में छपे प्रश्नों का उत्तर भी स्वयं देता है। यह उत्तर उसे अपने पूर्व अनुभवों के आधार पर देना होता है। चूँकि प्रश्नावली में प्रत्यर्थी अपने बारे में स्वयं वर्णन करता है इसलिए इसे कुछ विद्वानों ने आत्म-रिपोर्ट प्रविधि भी कहना पसन्द किया है।